

उत्तराखण्ड भूकंप अलर्ट ऐप होगा अपग्रेड

चर्चा में क्यों?

15 नवंबर, 2022 को उत्तराखण्ड आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कार्यकारी नदिशक पीयूष रौतेला ने बताया कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, आपदा प्रबंधन विभाग (यूएसडीएमए) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की की ओर से तैयार किये गए मोबाइल एप्लीकेशन 'उत्तराखण्ड भूकंप अलर्ट' ऐप को अपग्रेड किया जाएगा। इसके लिये यूएसडीएमए की ओर से 58 करोड़ रुपए का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया है।

प्रमुख बंदि

- गौरतलब है कि उत्तराखण्ड देश में पहला ऐसा राज्य है, जसिने प्रारंभिक भूकंप चेतावनी प्रणाली वकिसति की है।
- वशिव बैंक परयोजना के वरषिठ आपदा प्रबंधन वशिषज्ज गरिश जोशी ने बताया कि भूकंप अलर्ट ऐप सेंसर आधारति प्रणाली पर काम करता है। अभी तक राज्य में चकराता से लेकर पथौरागढ तक करीब 163 सेंसर लगे हैं, जनिसे प्राप्त होने वाले इनपुट के आधार पर 'अलर्ट ऐप' भूकंप आने की स्थिति में बीप बजाता है, लेकिन सटीक चेतावनी प्रणाली वकिसति करने के लिये सेंसर बढ़ाने की आवश्यकता है। उत्तराखण्ड भूकंप अलर्ट ऐप को अपग्रेड करने के लिये राज्य के वभिन्नि हसिसों में 350 नए स्थानों पर सेंसर लगाए जाएंगे।
- उन्होंने बताया कि आने वाले समय में राज्य में 500 से अधिक सेंसर स्थापति करके मौजूदा नेटवर्क को और अधिक सघन बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य न्यूनतम 5-10 कमी. की दूरी पर कम-से-कम एक सेंसर लगाना है। इन सेंसरों का फायदा केवल उत्तराखण्ड ही नहीं, दल्लि सहति आसपास के राज्यों को भी होगा।
- भूकंप वशिषज्ज गरिश जोशी ने बताया कि जब भूकंप आता है तो पी तरंगें और एस तरंगें केंद्र से अलग-अलग दशिओं में ऊपरी सतह (ग्राउंड लैंडस्केप) की ओर सफर करती हैं। पी तरंग तेजी से यात्रा करती हैं और लैंडस्केप में लगे सेंसर को टरगिर करती हैं। सेंसर से डाटा कंट्रोल रूम पहुँचता है और तुरंत एक अलर्ट जारी किया जाता है। इस तरह से उपयोगकर्त्ता को मोबाइल ऐप के माध्यम से अलर्ट मलि जाता है।
- यूएसडीएमए का दावा है कि 12 नवंबर को नेपाल में आए 5.4 मैग्नीट्यूट के भूकंप का उत्तराखण्ड सहति दल्लि में कुछ मोबाइलों पर अलर्ट प्राप्त हुआ था। अलर्ट उन्ही मोबाइल पर प्राप्त हुआ था, जनिहोंने ऐप को समय-समय पर अपडेट किया था।